सफ़लता की कहानियां

राजस्थान स्कूल नेतृत्व अकादमी, (आरएसएलए), जयपुर

राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट), राजस्थान

शिक्षकों के जुनून ने बदली तकदीर: हिंगोनियाँ में खेल क्रांति की गाथा

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, हिंगोनियाँ जिला बूंदी कभी एक छोटे से परिसर में सीमित संसाधनों के साथ संचालित होता था, जहाँ खेल गतिविधियाँ लगभग औपचारिकता मात्र थीं। विद्यालय में न तो खेलों के लिए उपयुक्त मैदान था, न ही पर्याप्त उपकरण या प्रशिक्षित कोच की सुविधा। बैडमिंटन जैसे खेलों में सरकारी विद्यालयों की भागीदारी लगभग नगण्य थी, जबकि शहरी निजी विद्यालय इनडोर स्टेडियम, आधुनिक सुविधाओं और पेशेवर प्रशिक्षण के बल पर प्रतियोगिताओं में लगातार आगे रहते थे।

ऐसे में ग्रामीण परिवेश के सरकारी विद्यालयों के खिलाड़ी बिना पर्याप्त अभ्यास और नियमों की समझ के प्रतियोगिताओं में जाते और कई बार उपहास का पात्र बनते थे, जिससे बच्चों का आत्मविश्वास भी प्रभावित होता था। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति को बदलने का संकल्प प्रधानाध्यापक श्री ओमप्रकाश गोस्वामी ने लिया। खेलों के प्रति गहरी आस्था रखने वाले गोस्वामी जी ने विद्यालय के शारीरिक शिक्षक के साथ मिलकर यह ठान लिया कि अब संसाधनों की कमी को बहाना नहीं बनने दिया जाएगा, बल्कि इच्छाशक्ति और नवाचार को सफलता का माध्यम बनाया जाएगा। ग्राम पंचायत के सहयोग से स्क्रैप पोल एकत्र किए गए, शिक्षकों ने अपने स्तर पर रैकेट और नेट की व्यवस्था की, तथा शहर के क्लबों से अभ्यास हेतु उपयोग में न आने वाली शटल्स प्राप्त की गईं। मध्यान्तर और विद्यालय समय के बाद नियमित अभ्यास सत्र शुरू किए गए, जिनमें हर इच्छुक विद्यार्थी को भाग लेने का अवसर मिला।

निरंतर अभ्यास, अनुशासन और मार्गदर्शन का परिणाम यह हुआ कि जो बच्चे पहले रैकेट पकड़ने में भी संकोच करते थे, वे धीरे-धीरे आत्मविश्वास के साथ खेलने लगे और जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने लगे। आज विद्यालय खेल उपलब्धियों के लिए पहचाना जाने लगा है, यह पहल इस बात का सशक्त प्रमाण है कि जब नेतृत्व, टीमवर्क और जुनून साथ हों, तो सीमित संसाधनों के बावजूद भी असाधारण उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं|